दैनिक भास्कर

29-Apr-2019
चित्तौड़गढ़ भास्कर Page 1

पांचों विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़, बड़ीसादड़ी, निंबाहेड़ा, बेगूं व में हैं।

प्रतिशत पता चलता जाएगा।

पैरामिलिट्री फोर्स के जवान रहेंगे।

मतदाता

मंडे पॉजिटिव कमलकांत हैं अफ्रीका की ब्लूफर्स्ट यूनिवर्सिटी में सूचना प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष और रुचि हैं रजिस्ट्रार

सरकारी स्कूल में पढ़े कमलकांत-रुचि ने विदेश में पुस्तक प्रकाशित कर नाम कमाया...रॉयल्टी की आय देंगे जरूरतमंद बच्चों के लिए

दीपचंद पाराशर | चित्तौड़गढ़

सरकारी स्कूलों में पढ़े चित्तौड़ एवं भीलवाड़ा जिले के बहू एवं बेटे कमलकांत-रुचि ने विदेश में पुस्तक प्रकाशित कर दोनों जिलों सहित देश का नाम गौरवान्वित किया है। खास बात यह है कि बुक प्रकाशन की रॉयल्टी का सारा पैसा जरूरतमंद बच्चों की छात्रवृत्ति के लिए देने का निर्णय लेकर सामाजिक सरोकार की ओर कदम बढ़ाया है। इससे पहले भी दंपती ने यूरोपियन कांफ्रेंस में शोध पत्र पेश कर नाम रोशन किया है। देश-विदेश के विद्यार्थी, शोधार्थी व प्रोफेसर भारतीय दंपती की इस पुस्तक को पढ़ेंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में चित्तौड़ के गांधीनगर निवासी स्वर्गीय शंभूसिंह हिरण के पुत्र भीलवाड़ा जिले के मूलतः भड़ोल, गंगापुर निवासी कमलकांत हिरण एवं रुचि ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्लाउड कंप्यूटिंग विषय पर पुस्तक लिखी है। इस पुस्तक में क्लाउड कंप्यूटिंग के विषय के प्रारंभिक कॉन्सेप्ट से लगाकर क्लाउड एप्लीकेशन, आर्किटेक्चर व केस स्टडीज को सरल व सहज भाषा में समझाने का प्रयास किया है। यह किताब एशिया के सबसे बड़े प्रकाशक बीपीबी नई दिल्ली ने प्रकाशित की है। पुस्तक में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के करिकुलम को मद्देनजर रख लिखा गया है। दंपती के परिवार में मां निर्मला देवी, बेटी भूवि, भाई ऋषभ एवं बहन भानुप्रिया हैं। कमलकांत ने माध्यमिक शिक्षा शहीद मेजर नटवर सिंह शक्तावत राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के बाद एमएलवी टेक्सटाइल इंजीनियरिंग कॉलेज भीलवाड़ा से बीटेक एवं ज्ञान विहार युनिवर्सिटी जयपुर से एमटेक किया।

एशिया के सबसे बड़े प्रकाशक बीपीबी नई दिल्ली ने किया है किताब का प्रकाशन

यू-टर्न न लें, पूरी निष्ठा से काम करें...

यह किताब बीई, बीटेक, बीएससी आईटी, एमएससी आईटी, मस्किट, मक्का, एमटेक स्टूडेंट के लिए बहुत उपयोगी होगी। इसमें बताया गया है कि कैसे क्लाउड कंप्यूटिंग के एडॉप्शन से बिजनेस और गवर्नमेंट ऑर्गेनाइजेशन आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर कोस्ट को मिनिमाइज व सिक्योर कर सकते हैं। दंपती ने विद्यार्थियों को संदेश दिया है कि यू-टर्न न लें, पूरी निष्ठा और दृढ़ता के साथ काम करें सफलता जरूर मिलेगी।

अफ्रीका की ब्लूफर्स्ट यूनिवर्सिटी में विभागाध्यक्ष, गोल्ड मेडलिस्ट रहे थे

कमलकांत अफ्रीका की ब्लूफर्स्ट यूनिवर्सिटी में विभागाध्यक्ष सूचना प्रौद्योगिकी और रुचि रजिस्ट्रार हैं। दोनों ने शोध के लिए घाना, जर्मनी, साइबेरिया, जॉर्डन, रशिया व डेनमार्क सहित कई देशों की यात्रा की। कमलकांत की प्रारंभिक शिक्षा भड़ोल के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में हुई। माध्यमिक शिक्षा मेजर नटवरसिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चित्तौड़गढ़ से करने के बाद एमएलवीटी भीलवाड़ा से 2005 में पढ़ाई पूरी की और इसके बाद जयपुर के ज्ञानविहार विश्वविद्यालय से एमटेक में गोल्ड मेडलिस्ट बने।

पीएम के ओएसडी आईटी से मिली थीं प्रेरणा

कमलकांत अपनी इंजीनियरिंग के दौरान डॉ. हिरेन जोशी (विभागाध्यक्ष) आईटी से काफी प्रभावित रहे, जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुख्य टीम में ओएसडी (आईटी) हैं। उन्हीं से प्रेरित होकर कमलकांत ने बुक की रॉयल्टी का सारा पैसा एमएलवी टेक्सटाइल व इंजीनियरिंग कॉलेज की 'श्राइविंग इंजीनियर एलुमिनाई ऑफ़ एमएलवीटीईसी (टीम) को देने की घोषणा की है। यह मंच जरूरतमंद व प्रतिभावान विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देता है। यह उन्होंने अपने पिता शंभूसिंह हिरन की याद में किया।

पहले भी इस प्रकार की पुस्तक लिख चुके

कमलकांत कई नामी विश्वविद्यालयों व रिसर्च आर्गेनाइजेशन के साथ काम कर चुके हैं, उनमें अमेटी विश्वविद्यालय, एकेडमिक सिटी कॉलेज, आइइइइइइइ, टेडक्स, स्प्रिंगर प्रमुख रूप से है। उन्हें कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुख्य वक्ता, समीक्षक पैनल, इंटरनेशनल एडवाइजरी कमेटी मेंबर के रूप में आमंत्रित किया जा चुका है। इससे पहले भी कमल वह रुचि पर वर्ष 2014 में भी मोबाइल क्लाउड कंप्यूटिंग विषय पर अपनी पुस्तक लिख चुके हैं जो कि लेबर एकेडमिक पब्लिशिंग, जर्मनी के द्वारा प्रकाशित की गई थी। देश की प्रमुख पुस्तक स्टोर से प्राप्त की जा सकती है।

CLOUD COMPUTING BOOK AUTHORED BY A CMI PHD FELLOW

Last modified: 09.05.2019

Kamal Kant Hiran, a PhD fellow with CMI at Department of Electronic Systems, has written a book entitled "Cloud Computing: Concepts, Applications and Architecture" which has been published by Asia's largest publisher, BPB Publications based in New Delhi, India. As a philanthropist, Hiran has donated all of his royalties earned from this book to underprivileged students in the form of scholarships to attend his alma mater, Manikya Lal Verma Govt. Textile and Engineering College, India.

The book has been authored by Hiran as the principal author along with Ms. Ruchi Doshi, Registrar, BlueCrest University College, Liberia; Dr. Temitayo, Durban University of Science and Technology, South Africa; and Associate Professor Mehul Mahrishi, Swami Keshwanand Institute and Technology, India.

Hiran highlighted in his book the relevant concepts, architectures, frameworks and applications of cloud computing in the modern era while presenting Cloud computing as a new way of doing business and solving complex problems in simple and easy tasks. The book also explores the practical benefits of Cloud computing services and deployment models in details while emphasizing the adoption of Cloud Computing technology and strategies for migration to the cloud. Cloud Computing Architecture, Cloud Security and Privacy, Cloud Computing Life Cycle (CCLC), Load balancing approach, Mobile Cloud Computing, Google App Engine, Virtualization and Service-Oriented Architecture (SOA) are also discussed. Case studies are also illustrated at the end of the book.

The book is available on **AMAZON in paperback form and electronic (kindle).**

रॉयल्टी की राशि से बांटेंगे छात्रवृत्ति

शोधार्थी-प्रोफेसर पढ़ेंगे भारतीय दंपती की पुस्तक

पत्रिका
सोशल प्राइड

एमएलवी टेक्सटाइल एवं इंजीनियरिंग कॉलेज के हैं एलुमनाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भीलवाड़ा. सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में यहां के युवा अपने कदम आगे बढ़ा रहे हैं। जिले के मूलतः झड़ोल (गंगापुर) निवासी कमलकांत हिरण व रुचि ने हाल ही अंतराष्ट्रीय स्तर पर 'क्लाउड कंप्यूटिंग' विषय पर पुस्तक लिखी हैं। समाजसेवा की भावना से कमलकांत ने अपनी इस किताब की रॉयल्टी की सारी राशि थ्राइविंग इंजीनियर एलुमनाई ऑफ एमएलवी कॉलेज को देने की घोषणा की है। यह संगठन जरूरतमंद व प्रतिभावान विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देता है। छात्रवृत्ति कमलकांत के पिता शंभूसिंह हिरण की याद में दी जाएगी।

झड़ोल निवासी कमलकांत अफ्रीका की ब्लूकर्स्ट यूनिवर्सिटी में विभागाध्यक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी हैं। उनकी पत्नी रुचि रजिस्ट्रार हैं। दोनों ने शोध कार्य के लिए घाना, जर्मनी, लाइबेरिया, जॉर्डन, रूस व डेनमार्क की यात्राएं की। कमलकांत की प्रारंभिक शिक्षा झड़ोल के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में हुई। माध्यमिक शिक्षा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चित्तौड़गढ़ से पूरी कर भीलवाड़ा के एमएलवी टेक्सटाइल व इंजीनियरिंग कॉलेज से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 2005 में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की। इसके बाद ज्ञानविहार विश्वविद्यालय से एमटेक में गोल्ड मेडलिस्ट बने। राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर इनके कई शोधपत्र और पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

देश-विदेश में पढ़ी जाएगी पुस्तक

इस पुस्तक में क्लाउड कंप्यूटिंग विषय के प्रारम्भिक कॉन्सेप्ट से लगाकर क्लाउड एप्लीकेशन, आर्किटेक्चर व केस स्टडीज को सहज भाषा के माध्यम से समझाने का प्रयास किया गया है। यह किताब बीपीबी नई दिल्ली की ओर से प्रकाशित की गई है। इस पुस्तक में राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के कॅरिकुलम को मद्देनजर रखते हुए लिखा गया है। इसमें बताया गया है कि कैसे क्लाउड कंप्यूटिंग के एडॉप्शन से बिजनेस और गवर्नमेंट ऑर्गेनाइजेशन अपने आइटी इन्फ्रास्क्चर कोस्ट को कम कर सकते हैं।